रायपुर में सुशासन सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रायपुर में सुशासन पर दो दविसीय सम्मेलन में केंद्रीय वज्ञिान एवं प्रौद्योगकिी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने इस बात पर ज़ोर दयिा कि प्रधानमंत्री के तहत शुरू कयिे गए **शासन सुधारों में "ईज़ ऑफ लवििंग" और पारदर्शतिा को प्राथमकिता दी गई है ।**

प्रमुख बदिु

- **कार्यक्रम ववरिण:**
  - **प्रशासनकि सुधार एवं शकिायत नवािरण वभिाग (DARPG)** और **छत्तीसगढ़ सरकार** द्वारा संयुक्त रूप से आयोजति कयिा गया ।
  - सार्वजनकि सेवा वतिरण सुधारों पर चर्चा करने के लयिे **नीतनिर्िमाताओं, नौकरशाहों और वशिेषज्ञों को** एक साथ लाया गया।
- **वकिेंद्रीकृत शासन पर चर्चा:**
  - **शासन संबंधी चर्चाओं को सत्ता के केंद्रीय कक्षों से आगे** ले जाने के महत्त्व पर बल दयिा गया।
  - राज्यों में आयोजति सम्मेलनों से क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान सुनश्चिति होते हैं **तथा केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा मलिता है।**
  - इसी प्रकार के कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमलिनाडु तथा अन्य राज्यों में भी आयोजति कयिे गए, जो राष्ट्रव्यापी पहुँच को दर्शाते हैं।
- **ऐतहिासकि प्रशासनकि सुधार:**
  - **नौकरशाही की लालफीताशाही को कम करने के लयिे** 2,000 से अधकि अप्रचलति नयिमों को हटा दयिा गया है।
  - सत्यापति दस्तावेज़ों की आवश्यकता को समाप्त करके **प्रशासनकि प्रक्रयिाओं को सरल बनाया गया, जसिसे नागरकिों में वश्विास मज़बूत हुआ।**
  - पेंशनभोगयिों के लयिे चेहरा पहचानने वाली तकनीक शुरू की गई, जसिसे भौतकि सत्यापन की आवश्यकता समाप्त हो गई।
  - समय पर भुगतान के लयिे **पेंशन और परविार पात्रता प्रणालयिों का डजिटिलीकरण बढ़ाया गया।**
  - **ग्रुप B और C के पदों के लयिे साक्षात्कार समाप्त कर दयिा गया**, जसिसे भर्ती प्रक्रयिाओं में पक्षपात और भ्रष्टाचार कम हो गया।
- **सुधारों का प्रभाव:**
  - शासन सुधारों का उद्देश्य **वलिंब को कम करना, भ्रष्टाचार से नपिटना और** नागरकिों के लयिे प्रशासनकि प्रक्रयिाओं को सरल बनाना है।
  - कार्यकुशलता बढ़ाने के लयिे प्रौद्योगकिी का लाभ उठाया गया**, जसिसे वशिेष रूप से वरषि्ठ नागरकिों और ग्रामीण आबादी को लाभ मलिा।**

//

सुशासन

विश्व बैंक के अनुसार, सुशासन वह माध्यम है जिसके द्वारा विकास के लिये किसी देश के आर्थिक और सामाजिक संसाधनों के प्रबंधन में शक्ति का प्रयोग किया जाता है।

संदर्भ

- भगवद् गीता
- **कौटिल्य का अर्थशास्त्र:** राजा की भूमिका में प्रजा का कल्याण सर्वोपरि माना जाता है
- महात्मा गांधी ने **"सु-राज"** (सुशासन) पर ज़ोर दिया है
- **सतत् विकास लक्ष्य 16:** शासन, समावेशन, भागीदारी, अधिकार और सुरक्षा में सुधार

मुख्य विशेषताएँ (मानवाधिकार परिषद् के अनुसार)

- पारदर्शिता
- ज़िम्मेदारी
- जवाबदेहिता (Responsibility)
- भाग लेना (Participation)
- जवाबदेही (Responsiveness) [लोगों की आवश्यकताओं के प्रति]

संयुक्त राष्ट्र द्वारा दिये गए 8 सिद्धांत

भारत में सुशासन नामक पहल

राष्ट्रीय सुशासन दिवस: 25 दिसंबर (पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती से)

पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता

- सूचना का अधिकार (**अनुच्छेद 19 (1)**) और RTI अधिनियम, 2005
- ई-गवर्नेंस (न्यूनतम सरकार - अधिकतम गवर्नेंस); डिजिटल इंडिया कार्यक्रम
- केंद्रीय लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (CPGRAMS)

विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन

- नीति आयोग (सहकारी संघवाद)
- 73वाँ और 74वाँ संविधान संशोधन

नागरिक भागीदारी और सशक्तीकरण

- मेक इन इंडिया पहल, MyGov प्लेटफॉर्म, RTE अधिनियम, 2009

वैधानिक सुधार

- मॉडल पुलिस अधिनियम (2015), e-FIR, e-कोर्ट प्रोजेक्ट, SUPACE पोर्टल

सुशासन सूचकांक (इसे DARPG द्वारा तैयार किया जाता है)

संबंधित चुनौतियाँ

- **भ्रष्टाचार:** भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) 2023 में भारत 93/180वें स्थान पर है
- **असमानता और सामाजिक बहिष्कार:** भारत में धन की असमानता 60 वर्ष के उच्चतम स्तर पर है (वर्ष 2024 में) (शीर्ष 1% लोगों के पास 40.1% संपत्ति है)
- **अपर्याप्त न्यायिक अवसंरचना:** विभिन्न न्यायालयों में 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं, (मात्र उच्चतम न्यायालय में ~80,000)

सुझाव

- नीतिगत निर्णयों में नागरिकों को शामिल करने के लिये एक सुरक्षित डेटा प्लेटफॉर्म निर्माण की आवश्यकता है
- AI-संचालित शिकायत निवारण
- **सेवोत्तम मॉडल (Sevottam Model):** सार्वजनिक सेवा वितरण के लिये द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC) द्वारा प्रस्तावित किया जाना चाहिये

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/good-governance-conference-in-raipur